



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

तं० 198]

नई विल्ली, सोमवार, अक्टूबर 26, 1981/कार्तिक 4, 1903

No. 198]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 26, 1981/KARTIKA 4, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ही जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

सार्वजनिक संचालन

आयात आपार-विवरण

सार्वजनिक सूचना संख्या 52-प्राइटी सी(पी एन)/81

नई विल्ली, 26 अक्टूबर, 1981

शिव्य -- 1981-82 वर्ष के लिए 50 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अस्तर्यन जिमनास्टिक प्रौद्योगिकी के सामान के आयात के संबंध में लाइसेंस दी गई है, ये जापानी के निए प्रथम नियमित की जाती है।

मिमिल सं० प्राइटीसी/23(20)/81 -- 1981-82 वर्ष के लिए 50 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन आयात से जिमनास्टिक प्रौद्योगिकी के सामान के आयात के संबंध में लाइसेंस दी गई है, ये जापानी के निए प्रथम नियमित की जाती है।

मणि नारायणस्वामी, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियन्त्रि-

ता विभाग की सार्वजनिक सूचना सं० 52 प्राइटीसी
(पी एन)/81 विल्ली 26-10-81 के लिए परिचालित।

1981-82 के लिए 50 मिलियन (50,000,000) येन की जापानी अनुदान सहायता के अस्तर्यन जापान से भारत में जिमनास्टिक प्रौद्योगिकी कूद का सामान और इस सामान को भारत में पत्तों तक ले जाने के लिए भावशक सेवाओं के प्रायात के लिए लाइसेंस दी गई है।

खण्ड 1 सार्वजनिक संचालन

1(1) 1981-82 के लिए 50 मिलियन येन (लागत और भाड़ा) की जापानी अनुदान सहायता का उद्देश्य जिमनास्टिक प्रौद्योगिकी के सामान के आयात के लिए जापानी संभरकों को भुगतान करने के लिए और भारत में शारीरिक शिक्षा व खेलकूद के राष्ट्रीय संस्थान की समिति द्वारा भारत के पत्तों पर उसको लाने के लिए भावशक सेवाओं के लिए उपयोग करना है।

1(2) आयातके नाम में आयात लाइसेंस कुल मिलाकर 51 मिलियन येन (लागत बीमा भाड़ा) मूल्य से प्रधिक के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए और उन पर एक शीर्षक "1981-82 के लिए 50 मिलियन येन जापानी अनुदान सहायता" ही जारी रखिए। प्रथम प्रौद्योगिकी प्रश्न के लिए लाइसेंस संकेत "एस/जे एन" होगा।

1(3) वैक आफ इविया, टाकियो को वैक खर्च, जिसका प्रेषण मामाय वैक प्रणाली के माध्यम से किया जा सकता है, के प्रतिरक्त विवेशी मुद्रा यदि कोई हो, के किसी भी प्रेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय प्रधिकर्ता के कमीशन के प्रति यदि कोई हो तो कोई भी भुगतान अधिकर्ता को भारतीय रूपए में चुकाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और इस लिए लाइसेंस पर ही प्रधारित किए जाएंगे।

1(4) इम अनुबान महायन के अधीन समान केवल जापान में प्राप्त किया जाना चाहिए।

1(5) आयान लाइसेंस 1-3-1982 तक की प्रारम्भिक अवधि के साथ लाइसेंसधारी और द्वारा समय बृद्धि चाहता है तो उसे चाहिए कि वह आयान लाइसेंस की वैधता अवधि में बृद्धि के प्रयोग प्रस्तुत करें और उसके साथ इस समय में पूर्ण श्रीचार्य और स्पष्टीकरण दें कि प्रारम्भिक वैधता अवधि के भीतर पौतलदान और भूतावास वर्षों तक पूर्ण किए जा सकें। ऐसे आवेदन निरवाद रूप से शुद्ध नियंत्रक, आयान-नियांत्रित द्वारा उप-सचिव (टी ए), आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ इलाक, नई दिल्ली को विवारण भेजे जाने चाहिए।

1(6) संविदा में नकद आधार पर अवधि बैंक आफ इंडिया, टॉकियो को जापानी संभरकों द्वारा पौतलदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भूतावास की व्यवस्था होनी चाहिए। उसमें सुपुर्दी की अवधि के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए :—

“सुपुर्दी 15-3-1982 तक पूर्ण की जानी है”

1(7) संविदा का मूल्य (केवल लागत तथा भाड़ा आधार पर) येन में दर्शाया जाना चाहिए (येन के भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अधिकारी का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय रूपये या अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अधिकृत नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निश्चल लागत भीमा और भाड़ा भूतावास अलग-अलग प्रवर्णित की जा सकती है परन्तु ठेके में यह जात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का वर्चों वास्तविक आधार पर देख होगा या ठेके में निर्दिष्ट किए गए भाड़े का वर्चों वास्तविक वर्चों के अनिरिक्त देय धनराशि होगी।

1(8) अब संविदा वैधत जापानी राष्ट्रियों या जापानी राष्ट्रिय द्वारा नियंत्रित जापानी आर्थिक व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिए। संभरकों की पातला को वर्णि हुए प्रमाण पत्र (दो प्रतियों में) प्रत्येक संविदा के साथ लगाया जाना चाहिए।

खण्ड 2 संभरण ठेकों में निम्नलिखित ग्रन्त विशेष रूप से समाविष्ट होनी चाहिए :

2(1) 1981-82 के लिए 50 मिलियन येन की अनुबान सहायता से सम्बद्ध इम संविदा की व्यवस्था 17 जुलाई, 1981 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुमार की गई है और वह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2(2) शिवेंदी संभरकों का भूतावान उस “भूतावान के लिए प्राधिकार-पत्र” (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1981-82 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक आफ इंडिया टॉकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परिका नियंत्रक वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, य० सी० ओ० बैंक विलिंग, पालियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2(3) जापानी संभरक एसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और जापान सरकार द्वारा अपेक्षित हो।

2(4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टॉकियो के परामर्श से पौतलदान की व्यवस्था करने को तैयार है और उसके लिए सम्भासम्बन्धित माल की सुपुर्दी के कार्यक्रम की भारतीय दूतावास, टॉकियो को सूचना देगा और अपेक्षित पौतलदान के लिए भारत माल पहले ही भारतीय दूतावास, टॉकियो को अधिकृत करवाएगा जिसमें उचित व्यवस्था की जाए। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयानक यह आहता हो, अधिसूचना

की अवधि कम की जा सकती है। आवश्यक अधीरे देने हुए प्रत्येक पौतलदान के बाद जापानी सभरकों को आयानक की केवल सूचना भेजने के लिए भी सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति शार्टीय दूतावास, टॉकियो की भेजी जानी चाहिए।

खण्ड 3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन :

3(1) जैसे ही टॉकियों की अनिंत रुटे द्वारा विशेष दृश्यांशैरिंग ठेके की बार प्रतियोगी जापानी संभरकों को भारतीय आयानक द्वारा दिए गए कृपया अवेग के साथ जापानी संभरक द्वारा विशेष रूप में पुष्टिकरण आवेदन की बार प्रतियोगी या सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध 1 के प्रपत्र में “(ए/पी) जारी करने के आवेदन” की 2 प्रतियों महित मगत वैध आयान लाइसेंस की 2 फोटो प्रतियो अवर सचिव (टी ए) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ इलाक, नई दिल्ली की महत के आवश्यक आक्षोधों से उपलब्ध मर्मी मविदा संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

3(2) वित्त मंत्रालय (ईडीए) जापान अनुभाग 1981-82 के लिए 50 मिलियन येन की जापानी अनुबान सहायता के अधीन वित्तीय बान देना के लिए संविदा की एक प्रति जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा, और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सैट लेखा व लेखा परिका नियन्त्रक और भारत के दूतावास टॉकियो को भी भेजा जाएगा।

3(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ-इलाक का जापान अनुभाग उसकी सहायता लेखा व लेखा परिका नियन्त्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, य० सी० ओ० बैंक विलिंग, संसद भारत, नई दिल्ली-110001 की देगा जो कि जापानी संभरक को भूतावान करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टॉकियो को अनुबन्ध 2 के अनुमार एक “भूतावान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियों भारत का दूतावास, टॉकियो, आयानक भारत में आयानक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएगी।

3(4) भूतावान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियों के बाद बैंक आफ इंडिया, टॉकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास, टॉकियो, भारत में आयानक के बैंक और नार्थ इलाके देश एवं नेशन दरावा नियन्त्रक की सूचना से सभरक का मानन कराएगा।

3(5) पानवशान करने के बाद जापानी सभरक देश के माध्यम से एसी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टॉकियो को प्रस्तुत करेगा यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टॉकियो दस्तावेजों में उल्लिखित दस्तावेज की जापानी सभरक की प्रति वैकर्यों के माध्यम से दिखा करेगा।

3(6) जापानी संभरक को भूतावान की वृत्तिया करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टॉकियो को देय बैंक सर्व भारत सरकार के लेवे की प्रभावित किए जिनका सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयानक से सम्बद्ध बैंक दारा बैंक आफ इंडिया, टॉकियो को धन परेवित करके निर्णीत किया जाएगा।

खण्ड 4 रुपया जमा करने का उल्लंघनायित्व :

4(1) मूल विनियम पोत परिवहन दस्तावेज साथ ही साथ बैंक आफ इंडिया, टॉकियो द्वारा भारत में आयानक के सम्बद्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या फिसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक जो अनुबन्ध 1 में उल्लिखित है, की भाष्टा होनी उस बैंक को दस्तावेजों के बैंकिंग सेट के केवल इस बात का सुनिश्चय कर लेने के बाद ही सम्बद्ध आयानक को देने आहिए कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन धनराशि के बाबत

रुपया उन मामलों में जहाँ बेते थे यह है व्याज के बच्चे समृद्धि सभरक को भुगतान कर दिया है और उम धन राशि पर जापानी सभरक का बैंक आफ इडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से बास्तविक रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 9% प्रतिवर्षी की दर से और शेष अवधि के लिए 15% प्रतिवर्षी की दर से रुपया लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना सं० 46-आईटीसी(पीएन)/२६, दिनांक १६-६-७६ के अनुबान सरकारी लेख में जमा कर दिया गया है। व्याज दोनों दिनों, अवधि, जिस दिन जापानी सभरक को भुगतान किया जाता है, और जिस दिन सरकारी लेख में रुपया जमा किया जाता है, के लिए इथ है। दस्तावेज़ सार्वजनिक सूचना सं० 103-आईटीसी(पीएन)/७६, दिनांक १२-१०-७६ द्वारा मण्डित सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटीसी(पीएन)/७४, दिनांक ३१-५-७४। भुगतानी की यह धनराशि के बगाबर रुपया की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनिमय दर मुख्य नियत्रक, आयात-नियर्यात की सार्वजनिक सूचना सं० 8-आईटीसी(पीएन)/७६, दिनांक १७-१-७६ में निर्धारित मुद्रा विनिमय की मिश्रित दर होती था वह दर हासी जो कि मुख्य नियत्रक, आयात-नियर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियत्रण परिषदों के माध्यम से सरकार द्वारा समग्र-समय पर अधिसूचित की जाए। इस मध्यम से कोई भी परिवर्तन अब और जैसे ही आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। इस बात का सुनिश्चय करने का उत्तरवायित सम्बद्ध भारतीय बैंक का होता कि अयात बस्तावेज आयातकों की सौंपने से पहले ही देय धन राशि सरकारी लेख में सही रूप से जमा कर दी गई है। नाइसेम धारी का भी यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि अपने बैंकरों से दस्तावेज़ लेने से पहले ही देय धनराशि लेख में सही रूप से जमा कर दी गई है। जिस लेखा भी यह से उपर्युक्त रुपया जमा करना चाहिए, वह "के हिपाजिट्स एण्ड एडवान्सिज ४४३ मिलिडिजिट्स-इपोर्टिम फोर परचेंजिंग एट्सट्रा एश्वार्ड परचेंजिंग अर्स्टर श्रावट एंड फार्म ग्रन्टमेट, आफ आपान" फार १९८१-८२ आन्ट फार परचेंज आफ जिमान-स्टिक एन्ड स्पोर्ट्स २५५पमेन्ट्स/मर्विन्ज फार दी परपर आफ श्रोमाइंग फिजिकल एक्यूकेन एन्ड स्पोर्ट्स हिकेपमेन्ट इन इडिया" है।

4(2) उत्तिक्षिण धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई विल्ली, में या स्टेट बैंक आफ इडिया, तीस हजारी, विल्ली में सरकार की माध्यम से नकद जमा होनी चाहिए, या यदि वह सुविधाजनक न हो तो स्टेट बैंक आफ इडिया की किसी शाखा का या इसके उपस्थिति भी ग्राहीयकृत बैंक (हुण्डी कर्ता) में प्राप्त एक हुण्डी (हिमाण्ड छापट) के माध्यम से स्टेट बैंक आफ इडिया तीस हजारी शाखा, विल्ली-६ (हुण्डी ग्राही और प्राप्तक) की सार्वजनिक सूचना सं० 184 आईटीसी(पीएन)७/६३, दिनांक ३०-८-६४, सं० 23३-आईटीसी(पीएन)/६४, दिनांक २४-१०-६४, सं० 13२-आईटीसी(पीएन)/७१ दिनांक ५-१०-७१, सं० ७४-आईटीसी(पीएन)/७४, दिनांक ३१-५-७४ और सं० 103-आईटीसी(पीएन)/७६, दिनांक १२-१०-७६ में यथा निर्धारित सरकारी लेखों में जमा करने के लिए धन प्रेषण करना चाहिए।

4(3) सरकार द्वारा एसी मार्ग किए जाने के बाव सात दिनों के भीतर मम्बद्ध भारतीय बैंक भी ऊपर निर्धारित नरकों से वह अतिरिक्त धनराशि मेवा छार्च के निमित्त भेजेगा जो भारत सरकार द्वारा मारी जाए। चालान के विभिन्न कालमों को भरने समय आयातकों/उनके बैंकरों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं० 103-आईटीसी(पीएन)/७६, दिनांक १२-१०-७६ के माध्यम पर्याप्त जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं० 13२-आईटीसी(पीएन)/७१, दिनांक ५-१०-७१ के पैरा २ में निर्धारित सूचना और सार्वजनिक सूचना सं० ७४-आईटीसी(पीएन)/७४, दिनांक ३१-५-७४ में भी निर्धारित सूचना चालान के कालम "धन प्रेषण और प्राधिकारी, यदि कोई हो के पूर्ण ब्यौरे" में निरप्रवाद रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। अज्ञाना चालान में निम्नलिखित ब्यौरे निरप्रवाद रूप से प्रमुख करने चाहिए —

(क) विष मकानय भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की सं० और दि०

- (क) ये न मुद्रा की वह धनराशि जिसके सम्बन्ध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।
- (ग) जापानी सभरक को भुगतान करने की तिथि।
- (घ) चुकाए गए व्याज की धनराशि और वह अवधि जिसके लिए बढ़ गिना गया है।
- (इ) जमा की गई कुल धनराशि।

(व्याज की गणना जापानी सभरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखों में समतुल्य रुपया जमा करने की अवधि के लिए की जानी है।) उसके पश्चात् सी०प०००० एण्ड ए० द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देने हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों का सलगन करते हुए अज्ञाना चालान रुपया जमा करने का मात्र बेते हुए पृष्ठकृत डाक द्वारा सी० ए० एण्ड ए० को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी — भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि न्याय का निषेंग बैंक आफ इडिया, टोकियो से अदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोत लदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरप्रवाद रूप से किया जाना चाहिए और वह कि उसके तत्काल बाद सी०प०००० एण्ड ए०, विष मकानय (आर्थिक कार्य विभाग), नई विल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में मम्बद्ध बैंक आफ इडिया, को लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियत्रण प्रणित कर रुपया निषेपों की धनराशि का दृष्टाकर फरना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक आफ बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-५ विविध शर्तेः

५(१) अनुबान सहायता के उपयोग की रिपोर्ट

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक का पात्र नवानों और उनके अधीन किए गए भुगतानों के सम्बन्ध में और जो पोत लदान होने वाली है उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी० ए० ए० एण्ड ए० आर्थिक कार्य विभाग, विष मकानय, यू०सी०प०० बैंक बिल्डिंग, समद मार्ग, नई विल्ली का भेजनी चाहिए।

आयातक को चाहिए कि वह अनुबान सहायता के प्रान्तरांत माल के आयात से सम्बद्धित किसी ऐसी विशेष शर्त से सभरको को भ्रगत कराये जो समझने का पालन करने में सभरको पर प्रभाव दायरी हो।

५(३) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और सभरको के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरवायित नहीं होगी। बैंक आफ इडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व सभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें साफ-माफ "भुगतान के नियमों" में अनुबन्ध-१ में आयातक द्वारा दर्शाई जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्तें उनके कों शर्तों में शामिल होना चाहिए।

५(४) भविष्य अनुबंध

आयातों या उनके सम्बन्ध में उत्पन्न किसी मामले या सभी मामलों से सबविधि जापान से १९८१-८२ के लिए अनुबान सहायता के अधीन सभी आधारों का पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियमों या प्रत्येकों या आदेशों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा।

५(५) प्रतिक्रिया या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई मानों के प्रतिक्रिया या उल्लंघन करन पर आयात-नियर्यात (नियत्रण) अधिनियम के अधीन उन्नित कार्रवाई की जाएगी।

(5) अनुमतियों की सूची

अनुबन्ध-1 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी करने के लिए आवेदन करने का प्रपत्र

अनुबन्ध-2 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) का पत्र संक्षा एफ.

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्राधिकार कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक प्राफ़ इंडिया,

टोकियो शाखा

टोकियो (जापान)

विषय: 1981-82 के लिए 50 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारत में जिमनास्टिक और बोर्ड-कूद का सामान और उस सामान का भारत में पत्तों तक ले जाने के लिए आवश्यक सेवाओं का प्रायात। भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

1. आपके बैंक के साथ को किए गए समझौते को शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न और (जो परिशिष्ट में वर्णाये गए हैं) के अनुसार सर्वश्री के नाम में येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावरी के बारे में संभरकों को सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पूर्णांकित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा संकेतित लदान दस्तावेजों के प्राधार पर किया जाएगा।

4. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज भेजने वाले के लिए आड़े सहित धन्य किए जाने वाले बैंकिंग भांडे टोकियो में भारतीय बूतावास/आयातक के बैंक द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

5. जैसे ही संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेज के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

भवदीय,

(नेत्रा अधिकारी)

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रारंभान्नन
संक्षा

दिनांक

सितामें,

सहायता सेवा तथा लेज्जा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय,

प्राधिकार कार्य विभाग,

यू.सी.०.ओ.० बैंक विलिंग, प्रधम भूमिका,

पारिवारिक स्ट्रीट,

नई दिल्ली-110011

विषय: 1981-82 के लिए येन 50 मिलियन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से जिमनास्टिक और बोर्ड-कूद का सामान और इस सामान को भारत में पत्तों तक ले जाने के लिए आवश्यक सेवाओं का प्रायात।

महोदय,

उम्मर उत्तिष्ठित अनुदान सहायता के अधीन जापान से उपर उत्तिष्ठित सामान के आयात के संबंध में सम्बद्ध संसरक के नाम में बैंक बैंक इंडिया, टोकियो के लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित घोरे प्रस्तुत करते हैं—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता

(ख) आयात लाइसेंस की संक्षा, दिनांक और मूल्य और वह नारीख जित तक वैध है।

(ग) प्राप्ति के तरीके—क्या यह सीधे क्रय या औपचारिक खुले अन्तर्राष्ट्रीय निवित, पर आधारित है। इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो कारण महत्व प्रस्तुत होना चाहिए कि स्था. संविदा का निर्णय उपयुक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्तुति के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण

(ङ) माल का उद्गम देश

(च) संविदा का कुल लागत भांडा मूल्य (येन में)

(छ) यदि कोई हो तो भारतीय रूपए में भुगतान की जाने वाली भारतीय एंजेंट के कमीशन की धमरापि।

(ज) वह कुल लागत तथा भांडा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।

(झ) जापानी संभरकों के माथ का गई संविदा की संख्या और दिनांक

(ञ) जापानी संभरक का नाम और पता और पाक्षना प्रमाण-पत्र संक्षन करें (दो प्रतियों में)

(ঢ) वे भुगतान भर्ते और समावित तिथि जिनको संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।

(ঢ) सुपुर्वी का पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।

(ঢ) भारतीय बैंक टोकियो को भुगतान करते समय दिये जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और निपटान का संकेत करें।) प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए।

(ঢ) पोतमदान अनुदेश (वाहनान्तरण/पार्टिशनमेंट की अनुमति वीं गई है या मही (निवित कीजिए)।

(ঢ) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

भवदीय,

प्रति निम्नलिखित को भेजित—

1. आयातक को उनके पत्र संख्या दिनांक के सदर्भ में।

2. आयातक बैंक का उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो, आच से दस्तावेज प्राप्त करते पर विवेशी संभरकों को येन के बराबर रूपया जमा करने की अवस्था करें। विवेशी संभरकों का तुकारै गई धनराशि के बराबर रूपए की गणना सार्वजनिक सूचना संख्या-8 आईटीसी(पी एन)/76, दिनांक

17-1-76 या अर्थे में सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की नियम को यथा प्रबलिम परिवर्तन की मिशन दर पर की जाएगी। विदेशी संभरक को भुगतान करने की नियम से सरकार के लेख में तुल्य रूपया जमा करने की नियम तक की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना संख्या-46 आईटी सी (पी एन)/76, दिनांक 16-6-76 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 9 प्रतिशत वार्षिक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 15 प्रतिशत की दर से ब्याज सीं सरकारी लेख में जमा करना होगा। ब्याज वीनों दिनों के लिए दिया जाएगा अर्थात् वह नियम जिसको विदेशी संभरकों को भुगतान किया जाता है और वह नियम भी जिसको सरकारी लेख में रूपया निश्चय किया जाता है। (इस दर में यदि कोई परिवर्तन किया गया तो तुल्य उमर्का सूचना की जाएगी) यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक की सीमा गूल्क निकासी के लिए आयात वस्तुओं का मूल मौद्रिक दिए जाने से पूर्ण यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराशि या तो रिजर्व बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करने चाहिए या रेटेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा या इसकी अनुपर्याप्त संस्थाओं या किसी भी ग्रांटीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (अनिश्चित और आदाता) के नाम में और उसको देय वर्षीने हुए के माध्यम से कर्मी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 233 आईटी सी (पी एन)/68, दिनांक 5-10-68, सं. 132 आईटीसी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-71, सं. 74 आईटी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-74 और सं. 103 आईटी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 की शर्तों की ओर दिलाया जाता है। लेखा जारी जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह “के डिपोजिट एण्ड एडवर्सिटीज-843 ईसिलिम डिपोजिट-डिपोजिट्स फार परचेजिम एटमेंट्स एड्राइ-परचेजिम एण्ट एड क्राम दि गवर्नरमेंट आफ जापान फार 1981-82” है और विस्तृत लेखा जारी ये ये 50 मिलियन ग्रांट एड फार परचेज आफ दि जिम्नास्टिक एड स्पोर्ट्स इक्सिपमेंट/सर्किज फार दि परचेज आफ प्रोमोटिंग किजिकल एज्यूकेशन एण्ट स्पोर्ट्स इक्सिपमेंट इन इण्डिया” है।

जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132 आईटी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-1-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक आफ इण्डिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देने हुए अप्रेषण-पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजा जाएगी:-

सहायता लेखा नथा लेखा-परेक्षा नियंत्रक,

चित्र मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)

पहरी मंजिल, यू० स०० औ० बैंक बिल्डिंग,

संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

जिस मामले में तुल्य रूपया उपर-मार्केट सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्जनी हुए द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में ब्याज की छाकौर्ही गई धनराशि और जिस अवधि के लिए ब्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुल्य रूपये का पूरा ब्योरा हस विभाग को भेजना चाहिए।

सम्मुद्रपार संभरक के बैंकर के खर्चों सहित यदि कोई हो तो, बैंकिंग खर्च और बैंक आफ इण्डिया, टोकियो शाखा के अन्य खर्च इण्डियन बैंक आफ इण्डिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निश्चित किए जाएंगे।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवर मधिव (टीए) शाखा, वित्र मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

लेखाधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 52-ITC(PN)81

New Delhi, the 26th October, 1981

Subject : Licensing Condition in respect of import of gymnastic and sports equipment under the Japanese Grant Aid of Yen 50 Million for the year 1981-82.

F. No. IPC/23(20)/81.—The terms and conditions governing the issuance of import licence in respect of import of gymnastic and sports equipment from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 50 Million for the year 1981-82 as given in appendix to this Public Notice are notified for information.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of Imports & Exports.

Appendix to Ministry of Commerce Public Notices No. 52-ITC(PN)81 dated the 26th October, 1981.

Licensing Conditions for import of gymnastic and sports equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India, from Japan under Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen fifty million (Yen 50,000,000).

Section I—General Conditions :

I(i) The Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen 50 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese suppliers for import of gymnastic and sports equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the Society for the National Institutes of Physical Education and Sports of India.

I(ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 51 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription Yen 50 million Japanese Grant Aid for 1981-82. The licence code for the first and second suffix will be "S|JN".

I(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agents Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I(iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I(v) The import licences will be issued on CIF basis with an initial validity upto 31-3-1982. In case the licence needs further extension, the Licencee should submit to the CCI&E a proposal seeking an extension in the validity period of the Import Licence alongwith full justification and explanation as to why the shipment and payments could not be completed within the initial validity period. Such requests should invariably be referred by the CCI&E to the Under Secretary (TA), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance North Block, New Delhi for consideration.

I(vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows.—

“delivery to be completed by 15-3-1982”.

I(vii) The contract value (C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I(viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II—The following provision should be specifically incorporated in the supply contract:—

II(i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 17th July, 1981 between the Government of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 50 million for 1981-82 and will be subject to the approval of both the Governments.

II(ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1981-82.

II(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least four weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III—Contract Approval by Government of India and Japan.

III(i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (T.A.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III(ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send one copy of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen 50 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III(iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importers' Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III(iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importers' Bank in India and the CAA&A.

III(v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's Bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without effecting the Government of India's account. Section IV responsibility for rupee deposit :

IV(i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-1 who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at 15 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited as "K-deposits & Advances-843-Civil Deposits—Deposits for purchases etc., abroad—purchase under Grant Aid from the Government of Japan for 1981-82. Grant for purchase of the gymnasium and sports equipment/services for the purpose of promoting physical education and sports development in India.

IV(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or if this is not possible should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi (drawee and Payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1969 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- Ministry of Finance "A/P" (Authorisation to Pay)—No. and date.
- Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the Japanese supplier.

- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
 (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance, (TDEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence, and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous provisions

V(i) Reports on the utilisation of the Grant Aid :

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

V(ii) The importer should apprise the suppliers of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V(iii) Disputes :

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provisions dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V(iv) Future Instructions :

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1981-82 from Japan.

V(v) Breach or Violation :

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports & Exports (Control) Act.

V(vi) List of Annexures :

Annexure-I : Request for issue of A/P.

Annexure II : Form A/P.

"REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY"

No.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject : Import of gymnastic and sports equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 50 million for 1981-82.

Sir,

In connection with the import of above mentioned equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement, whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons if, any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of India agent's commission (in Yen) if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Name and date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name and Address of the Japanese Supplier and attach an eligibility certificate (in duplicate).
- (k) Payment, terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/post-shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and Address of the Importer's bank in India.

Yours faithfully,

No. F.
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India
Tokyo (Branch),
Tokyo (Japan)

Subject : Import of gymnastic and sports equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 50 million for 1981-82.
Issue of Authorisation to pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated _____ entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen _____ to M/s. _____ as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers' Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto _____

Yours faithfully,
Accounts Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

2. Importer's Banker _____. They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76, dated 7-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 9 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 15 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account is required to be deposited into the Govt. of India account, in terms of Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese Supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government account. (Any change in this rate will be intimated if and

when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi or the S.B.I. Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dt. 31-5-1974 and 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits/ Deposit" for purchases etc. abroad. Purchases under Grant Aid from Govt. of Japan for 1981-82 under detailed head Y 50 million grant aid for purchase of the gymnastic and sports equipment/services for the purpose of promoting physical education and sports development in India.

3. One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo, Branch :

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers' bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo, Branch.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (TA) Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer